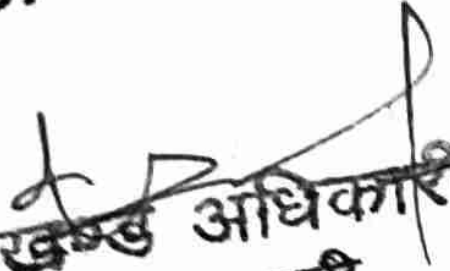



उपखण्ड अधिकारी
रामगंजमण्डी

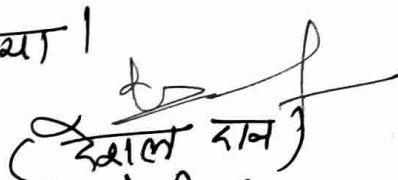
20

पञ्चावली पेशा वकील पसकार उपस्थित श्री
पञ्चावली का आधीपान्हा जालन मनन एवं


उपखण्ड अधिकारी
रामगंजमण्डी

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो हुकम की तारीख में जारी हुकम
	<p>अवगत किया गया वाकी के वादपत्र, अंगीकृत कमान, वाचिक अडवाय, लखुवा स्लावजात आदि का सम्यक अग्रगण्य उपपन्ना बरख विहार अधिवक्ता वाकी पर सम्यक विचार किया। सोलर बरख विहार अधिवक्ता वाकी का कमान है, कि वाकी श्री वाजिमल गणेश है, जिसे अद्वय से अग्रगण्य अंगीकृत किया है, अतः तब से शक्तिमान वाजिमल गणेश को भी जारी।</p> <p>अतः के अवगत उपपन्ना बरख पाया जाता है, कि ग्राम अवासा श्री अमावन्ती सेबल 2053-57 वाला नं. 968 में खसप नं. 626 (कवा 2) राधेश्याम पुत्र गणेश के नाम पर रजिस्टर सेबल 2089-88 के वाला नम्बर 968 पर भी खसप नं. 626 (कवा 2) श्री राधेश्याम पुत्र गणेश के नाम पर रजिस्टर सेबल 2004-2024 वाचिक खसप नम्बर 626 (कवा 2) के हात खसप नम्बर 232 (कवा 0.29 हेक्टर पैसुड कायम किये जाये हैं।</p>	


 उपखण्ड अधिकारी
 रामगजमण्डी

दिख नम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
	<p>जमाबंदी संवत् 2055-60 (वाला नम्बर 183 पाट खसरा नम्बर 626 एका 8) पाट राधेश्याम पुन गौरी के ल्यान पाट राधेश्याम पुन जगदीश रुर्ज काने के उपलान्त मुक्ति पत्र से जगदीश के ल्यान पाट पुन गौरी मुक्त किया गया। पन्तर दान जमाबंदी सं. 2054-77 की जमाबंदी खाला नं 226 पाट वानी के पिता का नाम पुन गौरी के ल्यान पाट जगदीश रुर्ज कर दिया गया है। आद्यात कार्ड नम्बर 2280, 8942, 6037 में राधेश्याम की वलियत गौरी ही रुर्ज है।</p> <p>उक्त भुक्ति <i>classical mistake</i> (लेखनीय भुक्ति) की कमी से भाली है, जिसे ठुकरा किया जाना उचित पाया जाता है।</p> <p>अतः दावा वादी स्वीकार किया जाकर यह आदेश दिया जाता है, कि ग्राम मवासा की भूमि ख. नं. 835 एका 0.81 हे० पाट वादी की वलियत जगदीश के ल्यान पाट गौरी रुर्ज कर राज्य रिकार्ड में अमल रामद किया जावे। डिक्ली मुक्तिव ही।</p> <p>निर्णय आज दिनांक 20/11/2020 को में जारी लिखाया जाकर विद्वत् न्यायालय में सुनाया गया।</p> <p style="text-align: center;">  (I. A. S.) उपखण्ड अधिकारी रामगंजमण्डी </p>	